वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 187 शुक्रवार 3 नवम्बर 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

राजस्थान की धरती पर मर्दानी शौर्य साकार

जयपुर. कासं

जवाहर कला केन्द्र इन दिनों जगमगा उठा है। लोकरंग महोत्सव में देशभर से आए कलाकार अपने प्रदेशों की लोक कलाओं की आभा से इसकी शोभा बढ़ा रहे हैं। लोकरंग महोत्सव के चौथे दिन मध्यवर्ती में राष्ट्रीय लोक नृत्य समारोह में सात प्रदेशों के कलाकारों ने आठ लोक विधाओं की प्रस्तुतियां दी। इधर शिल्पग्राम में लगे राष्ट्रीय हस्तशिल्प मेले में त्योहारी सीजन का असर साफ नजर आ रहा है। बड़ी संख्या में लोग खरीददारी करने यहां आ रहे हैं। शिल्पग्राम के मुख्य मंच पर कच्छी घोड़ी, कबीर गायन, पद दंगल, राजस्थानी लोक नृत्य और हरियाणा के घूमर की प्रस्तुति हुई।

लंगा गायन से सजी महफिल

मध्यवर्ती में थार के गूंजते स्वर महफिल के अगुआ बने। सधे स्वरों में लंगा गायकों ने राजस्थानी संगीत के सौंदर्य से सभी को रूबरू करवाया। उन्होंने सिंधी सारंगी, खड़ताल और ढोलक की संगत के साथ, 'आयो रे हेली' और 'गहणलियों माया मोणो नियो राज' गीत गाए। बच्चों के गायन कौशल से सभी मंत्र मुग्ध हो उठे। उत्तराखंड के छोलिया और जम्मू-कश्मीर के पंजेब नृत्य के बाद गोवा के कुणबी नृत्य की प्रस्तुति हुई। देवली समुदाय के लोग विभिन्न समारोह में कुणबी नृत्य करते हैं। प्रस्तुति में स्थानीय भाषा में मध्य लय के गीत पर महिलाओं द्वारा नाविक से नदी पार करवाने की विनती करते हुए प्रसंग को दिखाया गया। स्वांग नृत्य की प्रस्तुति में राजस्थान के जनजातीय जीवन को दर्शाया गया। स्वांग नृत्य सहरिया जनजाति के कलाकारों की ओर से किया जाता है। जंगली जानवरों का स्वांग रच कलाकारों ने विभिन्न करतब दिखाए जिन्हें देखकर सभी रोमांचित हो उठे।

जयपुर में तारे होंगे जमीं पर, बाजार में समुद्र मंथन

जयपुर. कासं

राजधानी के बाजारों में दिवाली का उत्साह नजर आने लगा है। बाजारों में दिवाली की खरीदारी शुरू हो चुकी है, वहीं दीपोत्सव के स्वागत में शहर के बाजार सजने लगे है। इस बार बाजारों में अलग–अलग थीम पर सजाया जा रहा है। बाजारों में लोगों को धार्मिक वातावरण के साथ आधुनिकता की झलक भी देखने को मिलेगी। बाजार में समुद्र मंथन के साथ देवी–देवताओं के दर्शन होंगे। तिरंगा थीम भी नजर आएगी। वहीं मैसूर पैलेस, हवामहल, मेट्रो आदि भी बाजार के बीच नजर आएंगे। व्यापारी लोगों को शत प्रतिशत मतदान करने का संदेश देते नजर आएंगे। शहर के एमआई रोड, चांदपोल बाजार, त्रिपोलिया बाजार, गणगौरी बाजार, चौड़ा रास्ता, जौहरी बाजार सहित अन्य बाजारों में दिवाली की सामूहिक सजावट का काम शुरू हो चुका है। वहीं छोटे बाजारों के साथ गलियों के मार्केट भी सजने लगे है। हल्दियों का रास्ता में दिवाली की रंगत नजर आने लगी है। दिवाली सजावट के बीच लोगों को शत प्रतिशत मतदान करने का संदेश दिया जाएगा। इसके लिए दुकानों पर बैनर भी लगाए जाएंगे। दुकानदार अपने ग्राहकों से मतदान के लिए आग्रह भी करेंगे। इस बार शहर के बाजारों में 5 से 7 दिन तक रोशनी होगी।

चांदपोल बाजार: देवी–देवताओं के दर्शन

शहर के चांदपोल बाजार में सामूहिक सजावट का काम शुरू हो चुका है। बाजार में जगह–जगह देवी–देवताओं के दर्शन होंगे, इसके लिए 15 से अधिक झांकियां सजाई जा रही है। बाजार में दीपक जगमग होते नजर आएंगे। वहीं छोटी चौपड़ पर समुद्र मंथन होता नजर आएगा। छोटी चौपड़ पर मेट्रो ट्रेन चलती नजर आएगी। इसके साथ ही बाजार में हवामहल, अल्बर्ट हॉल, मैसूर महल के अलावा टाइटेनिक जहाज भी नजर आएगा। बाजार में पुष्पक विमान भी देखने को मिलेगा। चांदपोल बाजार व्यापार मंडल अध्यक्ष सुभाष गोयल ने बताया कि छोटी चौपड़ पर समुद्र मंथन और देवी–देवताओं के दर्शन का स्वागत द्वार बनाया जा रहा है। इस स्वागत द्वार को बनाने में बंगाल से आए करीब 100 कारीगर लगे हुए है।

कोहरे की हल्की दस्तक, मौसम हुआ खुशनुमा

जयपुर. कासं

प्रदेश में सर्दी का मौसम शुरू हो चुका है। आज कोहरे ने भी हल्की दस्तक दे दी है। इससे मौसम खुशनुमा हो गया। हनुमानगढ़ जिले में आज कोहरे ने हल्की दस्तक दी। मौसम में आए बदलाव से सर्दी बढ़ने की संभावना है। जानकारी के अनुसार प्रदेश में हनुमानगढ़, श्रीगंगानगर क्षेत्र में सर्दी की दस्तक शुरू हो चुकी है। आज सवेरे हनुमानगढ़ जिले के डबलीराठान क्षेत्र में मौसम में आए बदलाव से हल्का कोहरा देखा गया। इससे कोहरा भी छाने लगा है। मौसम में आए इस बदलाव से लोगों ने गर्म कपड़े भी पहनने शुरू कर दिए हैं। वहीं राजधानी जयपुर के मौसम में आज सवेरे थोड़ी गर्माहट दिखी। आज सवेरे लोगों को राजधानी में ठंडक का अहसास कम हुआ। जानकारी के अनुसार मौसम विभाग का कहना है कि आगामी दिनों में प्रदेश में सर्दी का दौर शुरू होगा। सर्दी बढ़ने की पूरी संभावना है। मौसम विभाग का कहना है कि प्रदेश में उत्तरी हवाओं का जोर बढ़ने से सर्दी बढ़ सकती है।

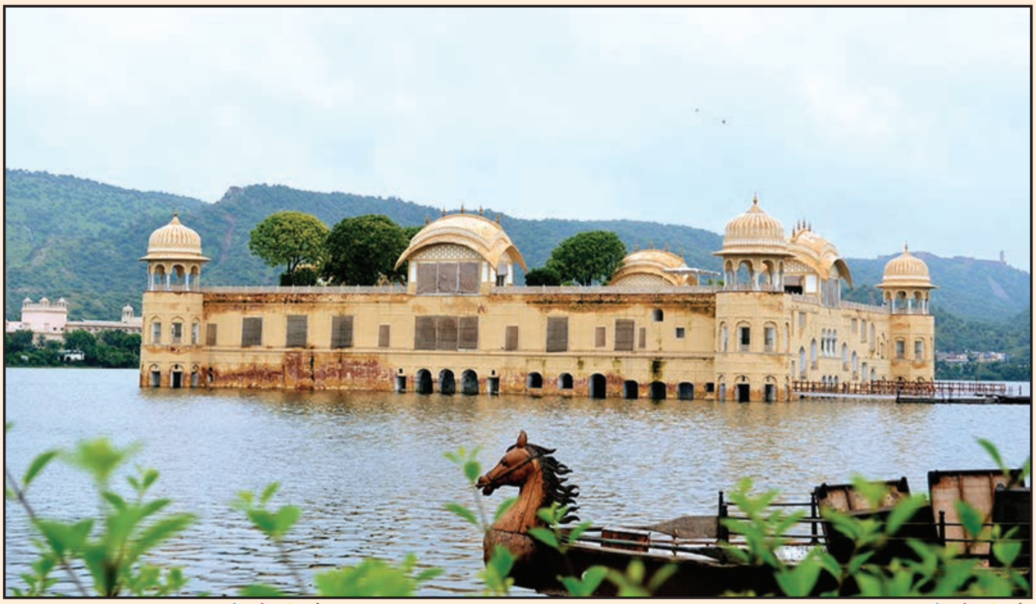

तितली है खामोश पुरातन और आधुनिक समन्वय का सार्थक दोहा संकलन

सत्यवान सौरभ हरियाणा के जुझारू एवं जीवटवाले लेखक और कवि हैं। खुशी की बात है कि उनका रचनाकार जिंदगी के बढ़ते दबावों को महसूस करता हुआ, उनसे लड़ने की ताब रखता है, उनसे संघर्ष करता है। हाल ही में उनका तितली है खामोश दोहा संकलन प्रकाशित हुआ है। 725 दोहों का यह संकलन अनूठा है और ये दोहें समय की शिला पर अपने निशान छोड़ते चलते हैं। इतना ही नहीं वे इस कठिन समय से मुठभेड़ भी करते हैं। यही मुठभेड़ उनके दोहों की ताकत है और मौलिकता है जो जनभावनाओं का जीवंत चित्रण है।

किसी ने कहा है कि जिस समाज, देश में जितनी अव्यवस्था, गिरावट, संघर्ष एवं नैतिक/चारित्रिक मूल्यों का हनन होगा उस समाज में साहित्य उतना ही बेहतर लिखा जाएगा। साहित्य साधना और रचनाधर्मिता कठिन तपस्या होती है और जो इसके साधक होते हैं, वे ही साहित्य को गहनता प्रदत्त करते हैं। साहित्य साधक सौरभ का प्रस्तुत दोहा संकलन तितली है खामोश न केवल व्यक्ति, परिवार बल्कि समाज, राष्ट्र और विश्व के संदर्भ में कवि की प्रौढ़ सोच की सहज और स्वाभाविक अभिव्यक्ति है। संकलन के दोहे कुछ ऐसे हैं कि मन की आंखों के सामने एक चित्र-सा खींच जाता है। चीजों को बयां करने का उनका एक खास अंदाज है। फिर चाहे वह कुदरती नजारे हों या प्रेम, विश्वास, आस्था, आशा को अभिव्यक्ति देते दोहें। यह उनका नवीनतम संकलन है। सत्यवान सौरभ के दोहों में न सिर्फ उनकी, बल्कि हमारी दुनिया भी रची-बसी नजर आती है। जिन्हें पढ़कर सत्यवान सौरभ के मूड और मिजाज का बखूबी अंदाज लगाया जा सकता है। दोहों के विचार, भाव, बिम्ब, रूपक एक नया आलोक बिखेरते हैं, जो पाठकों के पथ को भी आलोकित करता है।

हरियाणा में वेटनरी इंस्पेक्टर पद पर रहते हुए भी सत्यवान सौरभ लेखन के लिए समय निकाल लेते हैं, यह उनकी विशेषता है। उनके दोहों में सरलता, सहजता एवं अर्थ की गहराई हमें सहज ही आकर्षित करती है। वे भावों को इस सहजता से अभिव्यक्त करने में समर्थ है कि ऐसा लगता है कि वे सिर्फ सौरभजी के भाव नहीं बल्कि हर पाठक के मन की छिपी भावनाएं हैं, संवेदनाएं हैं। उनकी पैनी कलम से कोई भाव अछूता नहीं रहा। परिस्थितियों को देखने की उनकी अपनी विशिष्ट दृष्टि है। उनके दोहें सीधे हृदय से निकलते जान पड़ते हैं।

हिन्दी साहित्य में दोहों का विशिष्ट स्थान है। दोहा अर्द्धसम मात्रिक छंद है। यह दो पंक्ति का होता है इसमें चार चरण माने जाते हैं। विशेषतः दोहे आध्यात्मिक और उपदेशात्मक रंग में रंगे होकर इसके पहले और तीसरे (विषम) चरणों में 13-13 मात्राएँ तथा दूसरे और चौथे (सम)

पुस्तक का नामः तितली है खामोश
लेखक :सत्यवान 'सौरभ'
प्रकाशकः हरियाणा साहित्य अकादमी
पंचकूला (हरियाणा)
मूल्यः 200 रुपये,
पृष्ठ : १२४
उपलब्धता : अमेजन और फ्लिपकार्ट

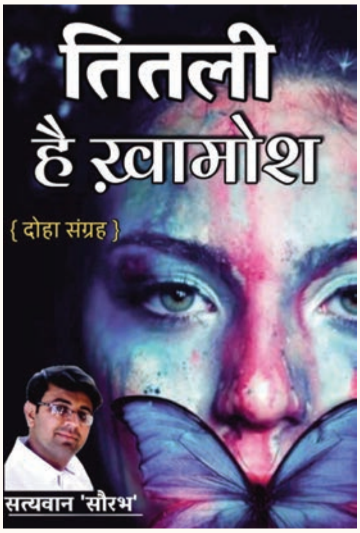

चरणों में 11-11 मात्राएँ होती हैं। अन्त में गुरु और लघु वर्ण होते हैं। तुक प्रायः दूसरे और चौथे चरण में ही होता है। दोहा अर्द्ध सम मात्रिक छन्द का उदाहरण है। तुलसीदासजी से लेकर महाकवि कबीर तक रहीम, रसखान से लेकर बिहारी तक दोहों का एक विस्तृत आध्यात्मिक परिवेश भारतीय साहित्य को समृद्ध करता रहा है। आधुनिक युग में रचे जाने वाले दोहों में इन्हीं महापुरुषों का प्रभाव देखने को मिलता है। सौरभ के दोहों में आधुनिकता और पुरातन का एक अद्भुत समन्वय देखने को मिलता है जो दोहा छंद की सार्थकता को सिद्ध करता है।

'तितली है खामोश' के दोहों में काव्य सौंदर्य के साथ-साथ प्रवहमान गतिशीलता भी है। ये दोहें अर्थवान है, अंतकरणीय भावों के रस-रूप में प्रस्फुटित शब्द सुषमा का संचरण करते हैं। ये दोहें चेतना के स्पंदन का सम्प्रेषण करते हैं। दोहों में कवि के शाश्वत प्रभाव की छवि परिलक्षित होनी चाहिए, यह कवि के कविता कर्म की कसौटी होती है। प्रस्तुत संकलन के दोहे उस कसौटी पर कस कर जब देखता हूं तो सत्यवान सौरभ की छवि सामाजिक सजग प्रहरी के साथ-साथ एक संवेदनशील रचनाकर्मी के रूप में उभरकर सामने आती है। कविता, गीत, गजल आदि साहित्यिक विधाओं के साथ विभिन्न विषयों पर समसामयिक लेख एवं फीचर लिखने वाले सौरभ को दोहा लेखन में विशेष सफलता मिली है। इसका श्रेय वे हरियाणा के ही प्रतिष्ठित साहित्यकार डॉ. रामनिवास मानव को देते हैं। सौरभ को दोहाकार बनाने में उनकी प्रेरणा विशेष उल्लेखनीय है।

सत्यवान सौरभ ने अपने दैनन्दिन जीवन के हर कटु-तिक्त और मधुर अनुभव को, यहां तक कि चित्त में मंडराते चिंतन के हर फन को भी दोहों में बांधा है। उनके दोहें उनके निजी संसार से उपजे हैं तो कहीं उनमें देश और दुनिया के व्यापक परिदृश्य भी प्रस्तुत हुए हैं। इन दोहों में समाज में व्याप्त विसंगतियों एवं विडम्बनाओं का स्पष्ट चित्रण हैं तो पारिवारिक जीवन के टीसते दंश और द्वंद्व एवं अपने इर्द-गिर्द के जीवन की समस्याओं के भाव दोहों के रूप में ढलकर सामने आते हैं। संभवतः दोहों का आधार भी यही है। अपने परिवेश से गहरा सरोकार उनकी शक्ति है। उनके दोहें इतने सशक्त एवं बेबाक है कि जो इन्हें साहित्य जगत में उल्लेखनीय स्थापत्य प्रदान करेंगे। मेरी मान्यता है कि कोई भी साहित्यकार युगबोध से निरपेक्ष होकर कालजयी साहित्य का सृजन कर ही नहीं सकता, विधा चाहे कोई भी हो। साहित्यकार का मन तो कोरे कागज जैसा निश्छल, निरीह, दर्पण सा पारदर्शी होता है। यथा-

सूनी बगिया देखकर, तितली है खामोश।
जुगनू की बारात से, गायब है अब जोश।।

सत्यवान सौरभ स्वांत सुखाय की भावना से ही पिछले सोलह वर्षों से रचना करते रहे हैं। वे इतने संयमी रहे कि अपनी अभिव्यक्ति को पाठकों के सामने लाने की या छपास होने की लालसा से दूर रहें। सृजन में शोर नहीं होता। साधना के जुबान नहीं होती। किंतु सिद्धि में वह शक्ति होती है कि हजारों पर्वतों को तोड़कर भी उजागर हो उठती है। यह कथन सत्यवान सौरभ पर अक्षरशः सत्य सिद्ध होता है। सौरभ की प्रस्तुत कृति बेजोड़ है। उनकी लेखनी में शक्ति है। भाषा पर उनका असाधारण अधिकार है। प्रांजल और लालित्यपूर्ण भाषा में वे जो कुछ भी लिखते हैं, उसे पढ़कर पाठक अभिप्रेरित होता है। वे जितना सुंदर, सुरुचिपूर्ण और मौलिक लिखते हैं, उससे भी अच्छा उनका जीवन बोलता है। इन विरल विशेषताओं के बावजूद भी वे कभी आगे नहीं आना चाहते। नाम, यश, कीर्ति और पद से सर्वथा दूर रहना चाहते हैं।

प्रस्तुत दोहा संकलन को पढ़ते हुए सहज ही कहा जा सकता है कि इसमें व्यक्त विचार अनुभवजन्य है। जो व्यक्ति यायावर होता है, धरती के साथ भावात्मक रिश्ता स्थापित करता है, वहां की सभ्यता, संस्कृति और परंपरा को करीब से देखता है और उसे अभिव्यक्ति देने की क्षमता का अर्जन करता है वही व्यक्ति कलम की नोंक से व्यक्ति, समाज और राष्ट्र के यथार्थ को कुशलता से उकेरने में सफल हो सकता है। प्रस्तुत संकलन के दोहों की सार्थकता या तो भावाकुल तनाव पर निर्भर है या धार-धार शिल पर। उनकी रचनाओं में विविधता है, प्यार है, दर्द है, संवेदनाएं हैं यानी हर रंग के शब्दों से उन्होंने दोहों को सजाया है। हरियाणा साहित्य अकादमी के सौजन्य से प्रकाशित प्रस्तुत कृति के संदर्भ में स्वयं लेखक का मंतव्य है कि तितली है खामोश का शीर्षक अपने आप में एक सवाल है और दोहे हमेशा तीखे सवाल ही करते हैं। इस दृष्टि से कवि के दोहों में तीखे सवाल खड़े किये गये हैं तो उनके समाधान भी उतने ही प्रभावी तरीके से दिये गये हैं। इस दृष्टि से उनके रचना धरातल के समग्र परिवेश को और उनके दार्शनिक धरातल को समझने में यह पुस्तक महत्वपूर्ण है।

पुस्तक और कलम को अपनी विवशता मानने वाले सत्यवान सौरभ विचार के साथ-साथ शब्दों के सौन्दर्य की चितेरे हैं। उनके हर शब्द शिल्पन का उद्देश्य मनोरंजन और व्यवसाय न होकर सत्य से साक्षात्कार कराना है। सत्यं शिवं और सुंदरमं की युगपथ साधना और उपासना से निकले शब्द और विचार एक नयी सृष्टि का सृजन करते हैं और उसी सृजन से सृजित है प्रस्तुत दोहा संकलन तितली है खामोश। प्रस्तुत कृति के दोहें समाज और राष्ट्र को सुसंस्कृत बनाते हैं, उन्हें राष्ट्रीय और सामाजिक अनुशासन में बांधते हैं, खण्ड-खण्ड में बिखरे रिश्ते-नातों को एक धागे में जोड़ते हैं और अंधेरों के सुरमयी सायों में नया आलोक बिखेरते हैं। संस्कृति और संवेदना के प्रति आस्था जगाने का काम करती हुई यह कृति पाठकों के हाथ में विश्वास की वैशाखी थमाती है। यह पूरी कृति और उसके विधायक भावों का वत्सल-स्पर्श समाज की चेतना को भीतर तक झकझोरता है। 124 पृष्ठों पर फैली कवि की रचनादृष्टि ने इस पुस्तक को नायाब बनाया है। यह काव्य कृति व्यक्ति, समाज और देश के आसपास घूमती विविध समस्याओं को हमारे सामने रखती है, साथ ही सटीक समाधान भी प्रस्तुत करती है। पुस्तक की छपाई साफ-सुथरी, त्रुटिरहित है। आवरण आकर्षक है। पुस्तक पठनीय एवं सग्रहणीय है।

ललित गर्ग
ई-253, सरस्वती कुंज अपार्टमेंट
25, आई.पी. एक्सटेंशन,
पटपड़गंज, दिल्ली-92

धर्म जागृति संस्थान के योगेश जैन मेरठ राष्ट्रीय अध्यक्ष, भूपेंद्र जैन दिल्ली राष्ट्रीय महामंत्री नियुक्त

नई दिल्ली। आचार्य श्री वसुनंदी महाराज के आशीर्वाद से नवीन राष्ट्रीय पदाधिकारीयों का हुआ चयन अखिल भारतवर्षीय धर्म जागृति संस्थान की राष्ट्रीय साधारण सभा की बैठक परम पूज्य आचार्य श्री वसुननंदी जी महामुनि राज के सानिध्य में आयोजित कर आगामी तीन वर्षीय राष्ट्रीय कार्यकारिणी हेतु पदाधिकारीयों का चयन किया गया। योगेश जैन अरिहंत प्रकाशन मेरठ को राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं इंजी भूपेंद्र जैन ग्रीन पार्क दिल्ली को राष्ट्रीय महामंत्री नियुक्त किया गया। धर्म जागृति संस्थान से प्राप्त सूचना के अनुसार राष्ट्रीय पदाधिकारीयों में निकुंज जैन दिल्ली एवं विनोद जैन मिलेनियम को राष्ट्रीय संरक्षक व डॉ नीरज जैन को राष्ट्रीय चेयरमेन एवं नीरज जैन जिनवाणी चेनल आगरा को राष्ट्रीय कार्यवाहक अध्यक्ष नियुक्त किया गया तो वही राजकमल सरावगी ग्रीन पार्क राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष,रमेश गर्ग जैन बोलखेड़ा राष्ट्रीय संयोजक,अतुल जैन भायंदर मुम्बई राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, संजय जैन बड़जात्या राष्ट्रीय प्रचार मंत्री,संजय जैन कागजी दिल्ली राष्ट्रीय संगठन मंत्री नियुक्त किये गए। संस्थान के राष्ट्रीय महामंत्री भूपेंद्र जैन ने बताया कि अति शीघ्र राष्ट्रीय कार्यकारिणी का विस्तार किया जाएगा इस अवसर पर आचार्य वसुनंदी महाराज ने कहा कि नवीन कार्यकारिणी के विस्तार के साथ ही धर्म बचाओ धर्म सिखाओ नारे को बुलंद करते हुए युवाओं में धार्मिक भावनाओं की वृद्धि संस्थान द्वारा की जाएगी।

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप वीर जयपुर की 7 दिवसीय धार्मिक एवं पर्यटन यात्रा सम्पन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिनांक 25 अक्टूबर से 1नवंबर तक दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप वीर जयपुर ने अपने 20 सदस्यों के साथ धार्मिक एवं पर्यटन यात्रा आयोजित की। यात्रा संयोजक एवं वीर ग्रुप के अध्यक्ष नीरज झ रेखा जैन ने बताया कि दिनांक 25 नवंबर को जयपुर से ट्रेन से रवाना होकर अयोध्या में गणनी प्रमुख 105 आर्यिका माताजी श्री ज्ञानमती माताजी के संयम महोत्सव व जन्म महोत्सव के कार्यक्रम में सम्मलित हुए, राम जन्मभूमि, हनुमान पेड़ी, सरयू नदी पर आरती, वाल्मीकि आश्रम, दशरथ महल, जानकी महल, कनक भवन एवं अयोध्या में जन्मे सभी जैन तीर्थंकरों की जन्मभूमियों के दर्शन किये, साथ ही वाराणसी में काशी विश्वनाथ, तुलसी मानस मंदिर, काल भैरव, महामृत्युंजय मंदिर, संकट मोचन आदि धार्मिक स्थलों की यात्रा के साथ वाराणसी में जन्मे सभी तीर्थंकरों की जन्मभूमियों के दर्शन किए, साथ ही वाराणसी में अलकनंदा क्रूज में ग्रुप के साथ बैठकर गंगा नदी के चोरासी घाटों की सैर की व गंगा आरती का आनंद लिया । यात्रा के दौरान मौसम बहुत ही खुशनुमा रहा। जयपुर पहुंचकर ग्रुप अध्यक्ष नीरज जैन ने यात्रा की शानदार सफलता के लिए सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

मध्यप्रदेश स्थापना दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

समारोह में 2 नगर गौरव, 4 पत्रकारश्री, 150 छात्र-छात्राएं सम्मानित

मनीष विधार्थी. शाबाश इंडिया

शाहगढ़। मध्यप्रदेश स्थापना दिवस पर तहसील प्रेस क्लब मध्यप्रदेश के तत्वावधान में आयोजित 11वां प्रतिभा सम्मान समारोह, पत्रकार सम्मेलन, करियर काउंसलिंग, ज्ञानोदय प्रेस अवार्ड कार्यक्रम नगर भवन शाहगढ़ जनसंत उपाध्यक्ष श्री विरंजन सागर जी महाराज के मंगल सानिध्य में संपन्न हुआ। नगर गौरव परम पूज्य आचार्य श्री देवनंदी जी महाराज की पावन प्रेरणा से स्वामी विवेकानंद विश्वविद्यालय सागर ,भारतीय स्टेट बैंक शाखा शाहगढ के द्वारा प्रायोजक 11 वां प्रतिभा सम्मान समारोह कार्यक्रम में करियर काउंसलिंग में डॉ. कृष्ण राव सागर ने विद्यार्थियों को जीवन में सफल कैसे बने के टिप्स दिए। कार्यक्रम में उपस्थित 1000 से ज्यादा बच्चों ने इसमें भाग लिया। राव सर ने बच्चों को पढ़ने के लिए एक स्थान निश्चित करना एवं समय पर सोना और सुबह जल्दी उठना, मोबाइल का उपयोग शिक्षाप्रद कार्यों के लिए करना । ऐसे ही अनेक टिप्स बच्चों के लिए दिए।

यह रहे मंचासीन

कार्यक्रम की अध्यक्षता ब्र, जयकुमार निशांत टीकमगढ़, मुख्य अतिथि डॉ. अजय तिवारी कुलाधिपति स्वामी विवेकानंद विश्वविद्यालय सागर, एड. कमलेंद्र जैन राष्ट्रीय मंत्री भारतीय जैन मिलन, विशिष्ट अतिथि डॉ. अमित असाटी ब्लॉक स्वास्थ्य अधिकारी ,मिथिलेश गिरी गोस्वामी सीएमओ, भगवती प्रसाद शर्मा शाखा प्रबंधक एसबीआई, अर्चना सिंह नगर पुलिस निरीक्षक, अरुण चंदेरिया क्षेत्रीय अध्यक्ष जैन मिलन, इंजी. महेश जैन पी.एच.ई सागर, पंकज जैन महर्षि छतरपुर, सुनील जैन एल.आई.सी. शाहगढ कार्यक्रम निर्देशक पं. अशोक तिवारी अजित जैन शिक्षक,भानु जैन शिक्षक , पदम सेठ, सुशील अचार्य मंचसीन रहे। चित्र अनावरण एवं दीप प्रज्वलन मंचासीन अतिथियों द्वारा किया गया। मंगलाचरण कु. शिक्षा सेठ सागर स्वागत गीत सन्मति विद्यालय के बच्चों द्वारा प्रस्तुत किया गया।

इनका हुआ सम्मान

नगर गौरव से राजेंद्र जैन भोपाल प्रो, पूरन प्रजापति सागर ,पत्रकार श्री से प्रमोद प्रमोद राजपूत सागर, राज पटेरिया छतरपुर, ऋषभ जैन भोपाल ,सौरभ अरेले शाहगढ एवं स्वामी विवेकानंद विश्वविद्यालय द्वारा पत्रकार गौरव से प्रेस क्लब अध्यक्ष प्रकाश अदावन, महामंत्री मनीष विद्यार्थी शास्त्री, वरिष्ठ फोटो जर्नलिस्ट से भूपेंद्र नामदेव का सम्मान भी किया गया।

इनका हुआ विमोचन

तहसील प्रेस समाचार पत्र, छत्रसाल टाइम्स छतरपुर ,मतदाता जागरूक अभियान पोस्टर , प्रेस क्लब परिचायिका के विमोचन हुऐ।

डॉ अजय तिवारी कुलाधिपति ने कहा कि 2012 से आयोजित यह कार्यक्रम 2023 में विशाल एवं सफलतम आयोजन रहा और छात्र-छात्राओं में यह आयोजन लोकप्रिय है।

एड. कमलेंद्र जैन ने कहा कि यह आयोजन जिसमें सभी वर्गों के विद्यार्थियों शामिल होना ही सफल आयोजन है ।

कार्यक्रम निर्देशक पं. अशोक तिवारी ने कहा इस कार्यक्रम के माध्यम से छात्राओं को सम्मान के साथ करियर काउंसलिंग के द्वारा मार्गदर्शन भी प्राप्त होता है जो महत्वपूर्ण है ।

अंत में परम पूज्य उपाध्याय श्री जनसंत विरंजन सागर जी महाराज ने कहा की सभी छात्र-छात्राओं को भारतीय संस्कृति की रक्षा एवं स्वयं एक अच्छे व्यक्तित्व के धनी व्यक्ति कैसे बनें इस इस विषय पर अपने उद्बोधन दिए, साथ ही सभी को मंगल आशीर्वाद दिया। कार्यक्रम का संचालन संयोजक मनीष विद्यार्थी एवं डॉ अशोक जैन ने किया।

वेद ज्ञान

मानव स्वभाव में विनम्रता का बेहद महत्वपूर्ण स्थान

मानव स्वभाव में विनम्रता का बेहद महत्वपूर्ण स्थान है। विनम्रता का यह गुण जन्मजात नहीं होता, मानव स्वभाव में विनम्रता धीरे-धीरे ही विकसित होती है। जब वह जड़ें जमा लेती है, तो फिर वह आदत बन जाती है। दूरदर्शी माता-पिता अपने परिजनों को सद्गुणों की सपत्ति हस्तगत करते रहे हैं। इस गुण-संपत्ति के आधार पर मानव विकास के पथ पर अग्रसर होता है। सज्जनता का प्रथम सोपान विनम्रता से शुरू होता है। समान आयु के यहां तक कि छोटों के साथ भी वातार्लाप और व्यवहार इस प्रकार किया जाना चाहिए जैसे उनके महत्व को स्वीकार कर सम्मान दिया जा रहा हो। इसके लिए प्राथमिक प्रयोग यह है कि वाणी से मधुर वचन कहे जाएं। किसी को यह अनुभव न होने दिया जाए कि उसे उपेक्षा की दृष्टि से देखा जा रहा है। वह इस कटु प्रतिक्रिया को भूल नहीं पाता और उससे चिपका रहता है। मनुष्य सम्मान चाहता है। यह उसकी आत्मिक आवश्यकता है। मानव आत्मा महान है और उसका अपना गौरव है। भले ही दुर्गुणों के कारण उसे धूमिल कर लिया गया हो, फिर भी यह प्रवृत्ति बनी रहती है और वह उस ओर आकर्षित होती है, जिस ओर सम्मान मिलता है। आवश्यक नहीं कि किसी की सहायता की जाए और उसकी इच्छानुसार सहयोग दिया जाए। इसके लिए उसे अच्छा या खराब कहने की आवश्यकता नहीं है। इस संदर्भ में अपनी विवशता बताते हुए भी इन्कार किया जा सकता है और उसे इस योग्य समझकर आशा लेकर आने के लिए धन्यवाद दिया जा सकता है। आगंतुक के आने पर उसे छोटे-बड़े का ध्यान रखे बगैर नमस्कार कहना, बैठने के लिए आसन देना और आगमन की प्रसन्नता प्रकट करते हुए समाचार पूछना, यह एक सामान्य शिष्टाचार है। ऐसा व्यवहार तो प्रत्येक के साथ होना चाहिए कि किस कारण आगमन हुआ है? मैं आपकी क्या सेवा कर सकता हूं? इसमें कुछ पूंजी नहीं लगती, पर अपनी छाप दूसरों पर पड़ती है। लोक व्यवहार की दृष्टि से भी शिष्टाचार का पालन आवश्यक है। इससे दूसरे व्यक्ति को अपनी सज्जनता की छाप स्वीकारते बनती है और मित्र बनते हैं।

संपादकीय

दोषारोपण और राजनीतिक बयानबाजियों का दौर शुरू

अब यह हर वर्ष का सिलसिला-सा बन गया है कि सर्दी शुरू होते ही दिल्ली की हवा खराब होने लगती है। लोगों का दम घुटने लगता है और फिर इससे निपटने में सरकार के हाथ-पांव फूल जाते हैं। फिर शुरू होता है एक-दूसरे पर दोषारोपण और राजनीतिक बयानबाजियों का दौर। हालांकि हर वर्ष सर्वोच्च न्यायालय वायु प्रदूषण से निपटने का स्थायी बंदोबस्त करने का निर्देश देता है, मगर कुछ कागजी खानापूर्तियों और अव्यावहारिक उपायों के अलावा इसका व्यावहारिक समाधान अब तक नहीं तलाशा जा सका है। यही वजह है कि सर्वोच्च न्यायालय ने दिल्ली के साथ-साथ पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश की सरकारों को एक हफ्ते के भीतर हलफनामा दाखिल कर बताने को कहा है कि उन्होंने प्रदूषण रोकने के लिए क्या उपाय किए हैं। जब भी दिल्ली और आसपास के राज्यों में वायु प्रदूषण बढ़ने लगता है तो एक-दूसरे पर दोष मढ़ने की कोशिशें तेज हो जाती हैं। दिल्ली सरकार का कहना होता है कि आसपास के राज्यों में पराली जलाने पर रोक नहीं लगाई जा पा रही, इसलिए दिल्ली की हवा में जहर घुल रहा है। मगर पड़ोसी राज्य इस आरोप को सिरे से खारिज करते देखे जाते हैं। वायु प्रदूषण निस्संदेह एक गंभीर समस्या बन चुका है। इसके चलते करोड़ों लोगों की सेहत खराब हो रही है। इसकी वजहें भी छिपी नहीं हैं। मगर इस पर काबू पाने के लिए कुछ तदर्थ उपाय ही किए जाते दिखते हैं। दिल्ली सरकार ने निजी वाहनों के लिए सम-विषम नियम लागू किया, एक-दो जगह स्माग टावर खड़े किए, कुछ समय के लिए सड़कों के किनारे फव्वारे वाली मशीनें लगा दी जाती हैं। पिछले दो-तीन सालों से पराली की समस्या से पार पाने के लिए जैविक छिड़काव का रास्ता निकाला गया। पराली जलाने वालों पर उपग्रह से निगरानी रखी जाने लगी और उनके खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई होने लगी। इसके अलावा बाहरी राज्यों से आने वाले व्यावसायिक वाहनों के शहर में प्रवेश पर रोक लगा दी जाती है। मगर इसका भी कोई उल्लेखनीय नतीजा सामने नहीं आ सका है। हर साल वायु गुणवत्ता कुछ बिगड़ी हुई ही दर्ज होती है। जब स्थिति ज्यादा खराब हो जाती है, तो कुछ समय के लिए शिक्षण संस्थान बंद कर दिए जाते हैं, लोगों को घर से बाहर न निकलने की चेतावनी जारी की जाती है और फिर बारिश होने का इंतजार किया जाने लगता है कि गर्द बैठे और हवा साफ हो। दिल्ली में वायु प्रदूषण का सबसे बड़ा कारण वाहनों से निकलने वाला धुआं है। कई साल पहले डीजल से चलने वाली गाड़ियों पर रोक लगाने का सुझाव दिया गया था। हालांकि अब बैट्री से चलने वाले वाहनों को प्रोत्साहित किया जा रहा है, मगर हकीकत यह भी है कि न सिर्फ सड़कों पर वाहनों की संख्या हर साल बढ़ रही है, बल्कि उनमें बड़ी संख्या डीजल से चलने वाले वाहनों की होती है। फिर, अध्ययनों से यह भी जाहिर है कि वायु प्रदूषण बढ़ाने में चार पहिया वाहनों की अपेक्षा दुपहिया वाहनों का योगदान अधिक है। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

मराठा आंदोलन...

महाराष्ट्र में मराठा आंदोलन हिंसक हो उठा है। तीन विधायकों के घरों और दफ्तरों में तोड़-फोड़ और आगजनी की गई। एक नगर पालिका परिषद के दफ्तर को भी आग के हवाले कर दिया गया। कई बसें जला दी गईं और रास्ते रोक दिए गए। अब इसे लेकर राजनीति भी गरम हो उठी है। बताया जा रहा है कि कुछ सांसदों और विधायकों ने इस्तीफा दे दिया है। कुछ नेता सभी सांसदों से इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। हालांकि राज्य सरकार किसी तरह इस आंदोलन को शांत करने के प्रयास में जुटी है। उसने मराठा समुदाय के लोगों को कुनबी समुदाय का प्रमाणपत्र देने की पहल की है, मगर यह आंदोलन फिलहाल रुकता नहीं जान पड़ता। कुनबी समुदाय पिछड़ी जाति के अंतर्गत आती है। इस तरह मराठा समुदाय को कुनबी का प्रमाणपत्र मिलने से वे भी अन्य पिछड़ी जाति को तय उन्नीस फीसद आरक्षण में हिस्सेदार बन जाएंगे। इसलिए महाराष्ट्र के अन्य पिछड़ा वर्ग का संगठन सरकार के इस फैसले का विरोध कर रहा है। यानी सरकार के सामने इस मामले में मुश्किलें दोहरी हैं। वहां कोई भी राजनीतिक दल न तो मराठा को नाराज करना चाहता है और न ओबीसी को अपने से दूर। दरअसल, महाराष्ट्र ही नहीं, देश के अनेक राज्यों में आरक्षण की आग राजनीतिक दलों ने ही सुलगा रखी है। जब वे विपक्ष में होते हैं, तो किसी प्रभावशाली समुदाय को आरक्षण का लोभ देकर अपने सत्ता तक पहुंचने का रास्ता तैयार करते हैं और फिर सत्ता में आने के बाद उस वादे को पूरा करना उनके लिए मुश्किल हो जाता है। महाराष्ट्र में मराठा समुदाय मूलतः खेतिहर समुदाय है और आर्थिक रूप से बहुत कमजोर स्थिति में है। काफी समय से वह नौकरियों और शिक्षा में अन्य पिछड़ी जातियों की तरह आरक्षण की मांग करता रहा है। पांच साल पहले राज्य सरकार ने उसे सोलह फीसद आरक्षण देने का फैसला भी कर लिया था। बांबे उच्च न्यायालय ने भी उसमें कुछ कटौती करते हुए उसे विशेष प्रावधान के तहत लागू करने की इजाजत दे दी थी। मगर सर्वोच्च न्यायालय ने पचास फीसद की संवैधानिक सीमारेखा का हवाला देते हुए उस पर रोक लगा दी थी। ताजा मामले में मनोज जेरांगे-पाटिल नाम के एक व्यक्ति ने यह मांग उठाते हुए भूख हड़ताल शुरू कर दी कि मराठा समुदाय को कुनबी समुदाय माना जाए। उनके समर्थन में लोग जुटते गए। सरकार ने इसके लिए एक समिति बना दी और एक महीने के भीतर फैसला करने का आश्वासन दिया। मगर वह समय सीमा पार हो गई तो फिर से आंदोलन शुरू हो गया और अब हिंसक हो उठा है। नौकरियों और शिक्षा में आरक्षण की मांग जिस तरह एक राजनीतिक हथियार बन गई है, उसमें हमेशा आशंका बनी रहती है कि कब कहां कोई नया समुदाय ऐसी मांग लेकर आंदोलन पर उतर आए। हरियाणा में जाट, गुजरात में पटेल और राजस्थान में गुर्जर समुदाय ऐसे आरक्षण की मांग लेकर अनेक बार सरकारों पर दबाव बनाने का प्रयास कर चुके हैं। हालांकि हर राजनीतिक दल को पता है कि आरक्षण को लेकर कुछ संवैधानिक बाध्यताएं हैं, फिर भी वे अपने जनाधार का समीकरण साधने के मकसद से इसे हवा देते रहते हैं। महाराष्ट्र में भी मराठा समुदाय ऐसे ही आश्वासनों पर उम्मीद लगाए बैठा था। हालांकि महाराष्ट्र की राजनीति में मराठा समुदाय का प्रभाव अधिक है, मगर आरक्षण के मसले पर कोई व्यावहारिक रास्ता नहीं निकाला जा सका। अब मुश्किल यह है कि मौजूदा सरकार कैसे ओबीसी और मराठा दोनों को संतुष्ट करे।

अध्यात्म के यात्री होने पर जीवन की यात्रा पूर्ण होती हैः आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज

उदयपुर. शाबाश इंडिया। धर्म कमाने से जीवन उन्नत बनेगा धर्म को आकुलता से नहीं कर विवेक पूर्वक निराकुलता से भगवान के दर्शन अभिषेक पूजन करना चाहिए विवेक से पुण्य का अर्जन होगा। यात्री दो प्रकार के होते हैं एक यात्री जो संसार में परिभ्रमण करते हैं दूसरे यात्री वह होते हैं जिन्होंने अध्यात्म की यात्रा पूर्ण कर सिद्ध भगवान तीर्थंकर हो गए हैं उन्हें भगवान के रूप में आप जिनालय में स्थापित करते हैं। अध्यात्म के यात्री होने पर जीवन की यात्रा पूर्ण होती है इसलिए प्रीति धर्म से करना होगा तभी मन में जागृति चेतना आएगी ।मन में जागृति चेतना हमें देव शास्त्र गुरु की शरण प्राप्त करने से मिलेगी तभी जीवन में परिवर्तन का संदेश मिलेगा वर्तमान में आप सभी धर्म को भूल जाते हैं जिनालय से भी धर्म का संदेश मिलता है किंतु आप ग्रहण नहीं करते हैं धर्म से प्रीति कर करने पर धर्म की क्रिया करना चाहिए जैसा शास्त्रों में लिखा है वैसी क्रिया करेंगे तो संसार के आवागमन से आप मुक्त हो सकते हैं इसके लिए आपको विषयों से हटने कषाय, कर्म हटाना होंगे तभी यात्रा पूर्ण होगी आचार्य श्री ने बच्चों को संस्कारित करने के लिए प्रेरणा दी। प्रवचन में आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज ने अशोकनगर में नूतन वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव के उपलक्ष्य में धर्मसभा में प्रकट किए। अशोक गोधा रोशन लाल चितोड़ा ने बताया कि सकल दिगम्बर जैन समाज अशोक नगर द्वारा आयोजित 2 दिवसीय कार्यक्रम में नूतन वेदी पर 1008 श्री कुंथुनाथ भगवान और 1008 श्री अरहनाथ भगवान सहित पुरानी वेदी में विराजित श्री जी पुण्यार्जक परिवारों द्वारा आचार्य श्री वर्धमान सागर जी सानिध्य में संहिता सूरी पंडित हँसमुख जी शास्त्री धरियावद के निर्देशन में 2 नवंबर को विराजित हुए। इस अवसर पर वेदी पर कलशारोहाण के साथ ध्वजारोहण किया गया। इस अवसर पर समाज के काफी लोगों ने उपस्थित होकर धर्म लाभ लिया। राजेश पंचोलिया वात्सल्य भक्त परिवार से प्राप्त जानकारी।

संकलनः
अभिषेक जैन लुहाड़िया
रामगंजमंडी

बेटा पढ़ाओ संस्कार सिखाओ संस्था द्वारा सामाजिक सुधार के लिए राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, कानून मंत्री, राज्यपाल व मुख्यमंत्री के नाम उपखंड अधिकारी को सौंपा ज्ञापन

लक्ष्मणगढ़,सीकर. शाबाश इंडिया। बेटा पढ़ाओ संस्कार सिखाओ अभियान की ओर से सामाजिक सुधार के लिए संस्था की तरफ से संस्था के संस्थापक एवं अध्यक्ष कवि हरीश शर्मा, सह-संस्थापक आकाश झुरिया, कोषाध्यक्ष अनमोल सुरेका, उपाध्यक्ष विनीत सोनी, टीम सदस्य मनोज नाहरिया व राष्ट्रीय तेजवीर सेना सीकर जिला अध्यक्ष रामप्रसाद धायल बनाई के द्वारा राष्ट्रपति द्रोपती मुर्मू, उपराष्ट्रपति जगदीप धनकड़, कानून मंत्री, राज्यपाल कलराज मिश्र व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नाम उपखंड अधिकारी राजेश कुमार मीणा को आज के समाज के ज्वलन्त मुद्दों को लेकर एक ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन के मुख्य मुद्दे लिंग भेद व जाति भेद को मिटाना था जैसे शिक्षा में समानता का अधिकार, महिला आयोग की तर्ज पर पुरुष आयोग का गठन, विधुर पेंशन राशि जारी की जाये, पुरुष थाने का गठन किया जाये, लड़की के घर से भागने के बाद कोर्ट में पेश होने पर लड़की का बयान (इच्छा) न पूछकर लड़की के माता-पिता की राय लेनी अनिवार्य की जाये, आरक्षण को जड़ से खत्म किया जाये, बेटा-बेटी के मध्य किये जा रहे भेदभाव को खत्म किया जाये, किसी भी लड़की या उसके परिवार के द्वारा लड़के या लड़के के परिवार पर कोई भी मुकदमा या शिकायत दर्ज करवाई जाये तो जब तक लड़के या लड़के के परिवार के खिलाफ दोषी होने के ठोस सबूत नही मिल जाये तब तक लड़के व लड़के के परिवार को हिरासत में नही लिया जाये।

श्री दिगंबर जैन मंदिर महावीर नगर में भी दीक्षार्थी बहनों की गोद भराई का भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया...

भव्य बिंदोरी और गोद भराई का मांगलिक कार्यक्रम आयोजित

जयपूर. शाबाश इंडिया। परम पूज्य गणाचार्य श्री 108 विराग सागर जी महाराज और पूज्य आचार्य श्री 108 विशुद्ध सागर जी महाराज के मंगल आशीर्वाद से पूज्य श्रमणी गणिनी आर्यिका श्री 105 विशाश्री माता जी के कर कमलों द्वारा संघस्थ शिवा दीदी, रौनक दीदी, शैली दीदी और सपना दीदी को दिनांक 16 दिसंबर, 2023 को कलकत्ता में भव्य जैनेश्वरी दीक्षा दी जा रही है । अंबाबाड़ी आदिनाथ नवयुवक मंडल के अध्यक्ष कमलेश चॉंदवाड ने बताया कि दीक्षार्थी दीदियों की गुरुवार दिनांक 2 नवंबर को प्रातः 9:15 बजे भव्य बिंदोरी के साथ गोद भराई का कार्यक्रम श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर अंबाबाड़ी में संगीतकार साक्षी जैन एंड पार्टी के सानिध्य में संपन्न हुआ। गुरु मां भक्तो और साधर्मी बंधुओं परिवार जन सहित सभी ने बिंदोरी एवम्-गोद भराई के इस मांगलिक कार्यक्रम के साक्षी बन पुण्यार्जन अर्जित किया। कार्यक्रम में आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर के समाज के साथ-साथ अन्य स्थानों के जैन समाज ने भी सहभागिता निभाते हुए पुण्यार्जन किया। इस कार्यक्रम के लिए नमनकर्ता सुरेश कुमार, रमेश कुमार ठौलिया परिवार एवं टीकमचंद महेंद्र सेठी परिवार थे।

नाज में बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट एवं पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर। वर्द्धमान ग्रुप के तत्वावधान में श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति द्वारा सेंदड़ा रोड पर संचालित नृसिंह अग्रसेन जैन विद्यापीठ नाज के विद्यालय प्रांगण में बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट और पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का शुभारंभ विद्यालय प्राचार्य धर्मेंद्र कुमार शर्मा, उप प्राचार्य नागेश राठौड़ ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया जिसमें प्रत्येक हाउस के विद्यार्थियों ने शानदार कला का प्रदर्शन किया। प्राचार्य धर्मेंद्र कुमार शर्मा द्वारा बच्चों को बताया गया कि बेकार वस्तुओं का पुनः उपयोग कर और बेकार वस्तुओं से सर्वोत्तम उपयोगी वस्तुएं बनाई जा सकती है। निर्णायक मंडल की भूमिका गोठी स्कूल की अध्यापिका श्रीमती प्रिया अरोड़ा, वर्धमान रूट्स की अध्यापिका प्रतिक्षा डोसी, सुश्री पूर्वी ओझा और नाज स्कूल की अध्यापिका श्रीमती भारती थावानी ने सामूहिक रूप से निभाते हुए परिणाम जारी कर बताया की बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट में पुनीत सिंह भाटी ग्रीन हाउस एवं सुजल गोल्ड हाउस ने प्रथम, व कृष्णा ब्लू हाउस एवं अविनाश गोल्ड हाउस द्वितीय, डिंपल रेड हाउस एवं जतिन गोल्ड हाउस ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। पोस्टर प्रतियोगिता में मनीष गोल्ड हाउस एवं अक्षत गोल्ड हाउस ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। केविम चौधरी ग्रीन हाउस ने द्वितीय,व राज शर्मा रेड हाउस ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर वर्द्धमान शिक्षण समिति के अध्यक्ष शांतिलाल नाबरिया, मंत्री डॉ नरेन्द्र पारख, निदेशक डॉ आर. सी. लोढ़ा, प्राचार्य धर्मेंद्र शर्मा, शैक्षणिक प्रभारी श्रीमती ज्योति माहेश्वरी, उपाचार्य नागेश राठौड़ प्रबंधक हरीश गरवाल ने सभी कार्यक्रम में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को बधाई देते हुए अध्यापक अध्यापिकाओं एवम उपस्थित अभिभावकों का भी उत्साहवर्धन किया।

जैन धर्म से यदि करते अनुराग यथासंभव रात्रि भोजन का करें त्यागः इन्दुप्रभाजी म.सा.

शरीर को छोड़ आत्मा की परवाह करें जीवन की गति सुधर जाएगीः समीक्षाप्रभाजी म.सा.

रूप रजत विहार में उत्तराध्ययन सूत्र का वाचन जारी

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। अनादिकाल से चल रहे भवभ्रमण के कारण हमारे अंदर जो क्रोध, मान, माया, लोभ आदि का जहर चढ़ गया है उसे जिनवाणी श्रवण करके ही उतारा जा सकता है। जिनवाणी श्रवण पाप कर्म क्षय करके हमे पुण्य के मार्ग पर ले जाता है। इसलिए जिनवाणी श्रवण का अवसर कभी नहीं छोड़ना चाहिए।
ये विचार भीलवाड़ा के चन्द्रशेखर आजादनगर स्थित रूप रजत विहार में गुरूवार को मरूधरा मणि महासाध्वी श्रीजैनमतिजी म.सा. की सुशिष्या वात्सल्यमूर्ति महासाध्वी इन्दुप्रभाजी म.सा. ने नियमित चातुर्मासिक प्रवचन में व्यक्त किए। उन्होंने रात्रि भोजन नहीं करने की प्रेरणा देते हुए कहा कि देवता हमेशा दिन की साक्षी में ओर राक्षसी प्रवृति वाले रात्रि में खाना खाते है। पशु, पक्षी भी रात में भोजन नहीं करते है। वर्तमान समय में रात्रिकालीन भोजन का बढ़ता चलन जिनशासन की भावना के विपरीत है। यदि हमारे में जैन धर्म ओर जैन दर्शन से अनुराग है तो यथासंभव रात्रि भोजन का त्याग करें। अपनी दिनचर्या ऐसी बनाए कि रात्रि भोजन करने की नौबत ही नहीं आए। रात्रि भोजन शारीरिक व्याधियों एवं गंभीर बीमारियों का भी कारण बनता है यह बात विज्ञान भी स्वीकार कर रहा है। उन्होंने जैन रामायण का वाचन करते हुए भगवान राम के वनवास से जुड़े विभिन्न प्रसंगों की चर्चा की। धर्मसभा में उत्तराध्ययन सूत्र की आराधना के तहत तत्वचिंतिका डॉ. समीक्षाप्रभाजी म.सा. ने नवें अध्ययन नमी पव्वज्जा की चर्चा करते हुए कहा कि जीवात्मा को यदि गति सुधारनी है तो शरीर की बजाय आत्मा से मोह रखना चाहिए। पत्नी धर्मात्मा हो तो वह भी पति को सद्गति प्राप्ति का कारण बन सकती है। गति सुधरने पर आत्मा उच्च गति में चली जाएगी। समस्या का समाधान चिंता करने से नहीं बल्कि उस पर चिंतन करने से मिलता है। समस्याओं के समाधान के लिए शांति व धैर्य भी धारण करना पड़ता है। कई समस्याओं का समाधान हम बाहर ढूंढते है जबकि समाधान हमारे आत्मा के भीतर में मिलता है। उत्तराध्ययन आराधना के माध्यम से 13 नवम्बर तक उत्तराध्ययन सूत्र के 36 अध्यायों का वाचन पूर्ण किया जाएगा। धर्मसभा में आगम मर्मज्ञा डॉ. चेतनाश्रीजी म.सा., मधुर व्याख्यानी डॉ. दर्शनप्रभाजी म.सा., आदर्श सेवाभावी दीप्तिप्रभाजी म.सा., तरूण तपस्वी हिरलप्रभाजी म.सा. आदि ठाणा का सानिध्य भी रहा। धर्मसभा में अतिथियों का स्वागत श्री अरिहन्त विकास समिति द्वारा किया गया। सचांलन युवक मण्डल के मंत्री गौरव तातेड़ ने किया।

दीपावली तक दोपहर में पुच्छीसुणम की आराधना

भगवान महावीर निर्वाण कल्याणक के उपलक्ष्य में दीपावली तक प्रतिदिन दोपहर 3 से 4 बजे तक पुच्छीसुणम की आराधना रूप रजत विहार में हो रही है। इसका आगाज बुधवार को हुआ था। इसमें तत्वचिंतिका डॉ. समीक्षाप्रभाजी म.सा. तीर्थकरों को समर्पित पुच्छीसुणम मंत्र का जाप करा रहे है। श्री अरिहन्त विकास समिति के अध्यक्ष राजेन्द्र सुकलेचा ने बताया कि नियमित चातुर्मासिक प्रवचन प्रतिदिन सुबह 8.45 बजे से 10 बजे तक हो रहे है। चातुर्मासकाल में रूप रजत विहार में प्रतिदिन सूर्योदय के समय प्रार्थना, दोपहर 2 से 3 बजे तक नवकार महामंत्र का जाप हो रहा है।

श्रीमती तीजल देवी लुहाड़िया का 106वां जन्मदिन हर्षोल्लास से मनाया

एक साथ पांच पीढ़ियां उपस्थित रही

जयपुर. शाबाश इंडिया। परम आदरणीय श्रीमती तीजल देवी लुहाड़ियाँ धर्मपत्नी स्वर्गीय श्री गोपीचंद जी लुहाड़ियाँ ने अपने स्वस्थ जीवन के 105 वर्ष पूरे कर 106 वर्ष में प्रवेश किया है। उनका आज करवा चौथ के दिन जन्मदिवस उनकी पुत्र वधू श्रीमती कमला देवी लुहाड़ियाँ धर्म पत्नी स्वर्गीय श्री प्रकाश लुहाड़िया, पौत्र आकाश-कविता लुहाड़ियाँ (जैना मेडिकल्स) के निवास स्थान जवाहर नगर पर धूमधाम से मनाया। इस अवसर पर पांच पीढ़ीयों के परिवार के सदस्य उपस्थित थे। इसमें उनकी तीनों पुत्रिया श्रीमती तारा देवी कासलीवाल (88), श्रीमती सुशीला देवी मालपुरा वाले एवं श्रीमती सुनीता शाह, एवम पुत्र सुरेश- राज लुहाड़ियाँ, पौत्र आकाश- कविता, संदीप- अनिता एवं सुजीत- डोली, पोत्री चित्रा - रवि राज काला, पड़पोती एवं पड़पोते आस्था, अदित, सक्षम, सिद्धि रिद्धि साक्षी एवं समर्थ एवम नाती, पढनाती सहित सभी अपने परिवार जनों के साथ उपस्थित थे। परिवार के एक पुत्र अशोक- प्रमिला एवम अन्य सदस्य जो उपस्थित नहीं थे वह सब वीडियो कॉल पर उपस्थित थे। माताश्री तीजल देवी सदैव निरोगी रही एवं वर्तमान में भी वे अपना नित्य रोज का कार्य स्वयं करती हैं। वे इस उम्र में भी धार्मिक पुस्तकों का भी अध्ययन करती है। लुहाड़ियाँ परिवार के सभी सदस्यों की ओर से माता श्री को हार्दिक बधाई एवं शुभ आशीर्वाद का वर्धहस्त हम सभी पर निरंतर बना रहे यही मंगल कामनाएं व्यक्ति की।

राजस्थान, मध्यप्रदेश के विधानसभा चुनावों में भाजपा को भारी पड़ सकता है गिरनार मुद्दाः पुष्पेन्द्र जैन

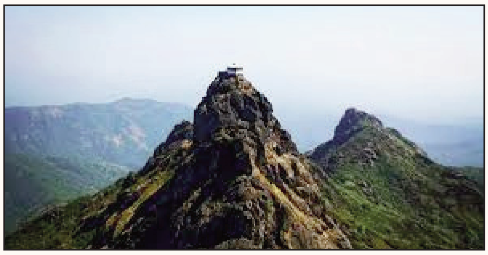

एक तरफ जहां देश के 5 राज्यों में विधानसभा चुनाव का बिजुल बज चुका है वहीं दूसरी तरफ जैन समाज के प्राचीन तीर्थ गिरनार का मुद्दा गमार्ता जा रहा है और जैनों का गुजरात व केन्द्र की भाजपा सरकार के प्रति आक्रोश बढ़ता ही जा रहा है। जिसका खामियाजा भाजपा को राजस्थान व मध्यप्रदेश के विधानसभा चुनावों में मिल सकता है क्योंकि दोनों ही राज्यों में जैन वोटर बड़ी संख्या में हैं। गिरनार तीर्थ क्षेत्र जैन धर्म के सबसे प्राचीन तीर्थों में से एक है जो जैन धर्म के 21 वें तीर्थंकर नेमीनाथ भगवान की निर्वाण स्थली है ।परन्तु गिरनार पहाड़ की 5 वीं टोंक पर कुछ लोगों ने कब्जा कर रखा है जो जैन अनुयायियों को दर्शन करने व अपने भगवान की जय तक बोलने नहीं देते है। जैन तीर्थयात्रियों के साथ बहुत बुरा बर्ताव करते है।एक बार तो जैन संत प्रबल सागर जी महाराज को चाकूओं से जानलेवा हमला कर घायल कर दिया। इन सबके पीछे पूर्व भाजपा सांसद महेशगिरी का भी हाथ बताया जाता है। कुछ दिन पूर्व 28 अक्टूबर को ही महेशगिरी ने एक सभा आयोजित कर असभ्य शब्दों का प्रयोग करते हुए जैन समाज व जैन साधुओं को खुलेआम धमकी दी थी और जैनों के गिरनार पर अपना दावा पेश किया था परन्तु सरकार सब कुछ जानते हुए भी अनदेखा कर रही है जिससे जैन समाज में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। जैन समाज के लोगों का कहना है कि इस तरह की अनर्गल बातें व धमकियां बिल्कुल बर्दाश्त नहीं की जाएगी। गिरनार जैनों का था, है और हमेशा रहेगा। केंद्र व गुजरात सरकार ने महेशगिरी को तत्काल गिरफ्तार कर कार्यवाही नहीं की तो आगामी विधानसभा व लोकसभा चुनावों में भाजपा को भारी नुकसान भुगतना पड़ेगा। इतना हीं नहीं जैन समाज के विश्व जैन संगठन ने 17 दिसंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में गिरनार को अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए विशाल आंदोलन की तैयारी भी कर ली है।

पुष्पेन्द्र जैन सीकरी

नजर बदलो किनारे बदल जाएंगेः गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी

गुंसी, निवाई. शाबाश इंडिया। गणिनी आर्यिका गुरु मां विज्ञाश्री माताजी ससंघ के सान्निध्य में श्री दिगम्बर जैन सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ गुन्सी में प्रतिदिन भक्तों का तांता लगा हुआ है । पूज्य माताजी के मुखारविंद से आज की शांतिधारा करने का सौभाग्य मधु ताथेडिया कोटा , महेंद्र झिराना वालों ने प्राप्त किया। सुबोध जैन ट्रांसपोर्ट वाले कोटा व निवाई समाज की महिला मंडल ने पूज्य माताजी ससंघ की आहारचर्या सम्पन्न करवायी। माताजी ने सभी को संबोधन देते हुए कहा कि दुख की मूल जड़ हमारी सोच और इच्छा है । अपनी इच्छाओं पर कंट्रोल करना सीखो, साधनों में नहीं साधना में रहना सीखो। लोगों में साधना नहीं होती योगों में साधना होती है। धर्म सुविधाओं में नहीं होता, कष्टों में होता है। अपनी सोच में स्वार्थपना नहीं होना चाहिए । स्वार्थ से किया गया धर्म हमें फल नहीं देगा। सृष्टि को बदलने का प्रयास मत करो अपनी दृष्टि को बदलने की कोशिश करो। अपने नजारे को बदलो किनारे बदल जायेंगे। मिथ्यादृष्टि की नहीं सम्यग्दृष्टि की सोच बनाओ क्योंकि 1 मिनट में जिंदगी नहीं बदलती लेकिन 1 मिनट की सोच से पूरी जिंदगी बदल जाती है।

डिजिटल क्रांति से क्रिएटर इकोनॉमी में पैदा हुई अपार संभावनाएं

जयपुर. शाबाश इंडिया। वैश्विक स्तर पर क्रिएटर्स की संख्या 20 करोड़ से अधिक है और भारत इसमें अग्रणी है। इस वर्ष यह संख्या 10 करोड़ से अधिक होने की उम्मीद है। लाइव मनोरंजन का भविष्य एक ऐसा परिदृश्य है, जो निरंतर विकसित हो रहा है और रोपोसो जैसे प्लेटफॉर्म्स इस दौड़ में सबसे आगे हैं। यह एक जीवंत समुदाय को बढ़ावा देने वाले क्रिएटर्स की अगली पीढ़ी को प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है, जहां यूजर्स और क्रिएटर्स दोनों जुड़ते हैं और सीखते हैं। लेकिन, सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि लाइव कॉन्टेंट की गुणवत्ता को बढ़ाने के साथ ही एक न्यायसंगत क्रिएटर इकोनॉमी का मार्ग प्रशस्त कर रहा है।

विरक्ति के मार्ग को जो अपनाता है वही भगवान को पा सकता हैः महासती धर्मप्रभा

सुनील चापलोत. शाबाश इंडिया

चैन्नई। विरक्ति के मार्ग को जो अपनाता है वही भगवान को पा सकता है।गुरूवार साहुकारपेट जैन भवन के मरूधर केसरी दरबार में महासती धर्मप्रभा ने श्रावक श्राविकाओं को धर्म संदेश देतें हुए कहा कि काम और राम साथ में नही रह सकते है। राग -द्वेष,काम-क्रोध,लोभ-मोह और विषयो और विकारो का जब तक मनुष्य त्याग और विरक्ति नहीं कर देता है तब तक वह परमात्मा से नहीं मिल पाएगा और नाहि संसार से मुक्ति प्राप्त कर सकता है। सांसारिक भोगों से इंद्रियों की तृप्ति नहीं होती है इन विषयों और विकारों से सुख नहीं दुःख मिलता है और आत्मा परमात्मा से नहीं मिल पाती है त्यागने पर ही संसार से मुक्ति मिलेगी और परमात्मा से आत्मा का मिलन हो सकता है। साध्वी स्नेहप्रभा ने श्री मद उत्तराध्ययन सूत्र का अर्थ सहित विवेचन करतें हुए कहा कि जीनवाणी एक ऐसा मार्ग है जो हमारी आत्मा को परमात्मा के नजदीक और स्पर्श करवा सकती है और संसार के दुखों से छुटकारा दिला सकती है। मनुष्य श्रध्दां और विश्वास के साथ जिनवाणी का श्रवण करता है तो वह आत्मा का साक्षात्कार कर सकता है। जिनवाणी अमृत सरोवर के समान है संसार मे कितनी ही आत्माओ ने परमात्मा की अमृतमय वाणी को सुनकर अपनी आत्मा का कल्याण करवा और मोक्ष पाया।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com